## पत्र लेखन +अनुच्छेद लेखन

**निर्देश -** 1. यह पूरे नोट्स कॉपी में लिखने है।
2.कॉपी में पत्र लिखने है।
3.अनुच्छेद भी उदाहरण स्वरूप कॉपी में लिखना है।

पत्र-लेखन का हमारे जीवन में काफ़ी महत्त्व है, किंतु आजकल टेलीफ़ोन, मोबाइल व कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग से पत्र लिखने का चलन कुछ कम हो गया है। फिर भी किसी सरकारी विभाग से अपनी समस्या की शिकायत करनी हो, कहीं से कोई आवश्यक वस्तु मँगवानी हो अथवा विवाह या किसी अन्य उत्सव कार्यक्रम के लिए अपने प्रियजनों को आमंत्रित करना हो, तब हमें पत्र लिखने की आवश्यकता होती है। अतः पत्र-लेखन आज के युग में उपयोगी है। पत्र लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

**1.पत्र की भाषा सरल व स्पष्ट हो। हमें विस्तृत वर्णन से बचना चाहिए।**
**2.आयु व संबंध के अनुकूल शब्दावली का प्रयोग करना चाहिए।**
**3.विचारों की क्रमबद्धता का ध्यान रखना चाहिए। पत्र का उद्देश्य व विषय-वस्तु स्पष्ट होनी चाहिए। पत्र में उसके सभी अंगों का प्रयोग करना चाहिए।**

### पत्रों के प्रकार

पत्र मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं।

**1. अनौपचारिक या निजी पत्र** – ये पत्र अपने निकट संबंधियों अथवा मित्रों को लिखे जाते हैं। इनमें निजी बातों का ब्योरा (वर्णन) होता है।

**2. औपचारिक पत्र** – ये पत्र उन्हें लिखे जाते हैं जिससे हमारा निजी संबंध नहीं होता। ये कई प्रकार के हो सकते हैं; जैसे-प्रार्थना पत्र, कार्यालयी-पत्र, व्यावसायिक-पत्र आदि।

**प्रार्थना पत्र** – प्रधानाचार्य को आवेदन के लिए लिखे जाने वाले पत्र।।

**कार्यालयी पत्र** – किसी सरकारी अधिकारी, विभाग को लिखे गए पत्र आदि।

**व्यावसायिक पत्र** – दुकानदार, प्रकाशक, व्यापारी, कंपनी आदि को लिखे गए पत्र आदि।

### पत्र के आठ मुख्य अंग होते हैं

प्रेषक का पता
तिथि
संबोधन
अभिवादन
विषयवस्तु
समाप्ति
हस्ताक्षर
पता

**अनौपचारिक पत्र**

पता............................

दिनांक – ......................

प्रिय मित्र या भाई, बहन, बेटा, पुत्री या कुछ भी।

.........................................................................................

.........................................................................................

.........................................................................................

.........................................................................................

.........................................................................................

.........................................................................................

.........................................................................................

.........................................................................................

.........................................................................................

.........................................................................................

...............

तुम्हारा मित्र, भाई, बहन, पिता या माता (कुछ भी जो पत्र लिख रहा हो)...........

जो पत्र लिख रहा हो उसका नाम....................................

मैं आशा करती हूँ कि आपके प्रश्न का उत्तर मिल गया होगा।

ढेरों शुभकामनाएँ !

**औपचारिक पत्र**

सेवा में,

प्रधानाचार्य या अन्य व्यक्ति का पद...........

स्कूल या विभाग का नाम.....................

स्कूल या स्थान का पता........................

महोदया/महोदय,

..............................................................

..............................................................

..............................................................

..............................................................

..............................................................

..............................................................

..............................................................

..............................................................

............

धन्यवाद

आपका आभारी

नाम व कक्षा या पद...................

**दिनांक** ..........................

बीमारी के कारण तीन दिन के अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को आवेदन पत्र

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय
संत अलॉयसिस सी. से. स्कूल
सदर ( कैंट ) जबलपुर म .प्र.
दिनाँक : 08-05-2020

विषय - तीन दिन के अवकाश हेतु आवेदन पत्र

महोदय ,
सविनय निवेदन है कि मैं (छात्र /छात्रा का नाम) विद्यालय की छटवी (वर्ग) का/की छात्र/छात्रा हूँ । महोदय मुझे सांय काल से बुखार है । डॉक्टर ने दवा के साथ तीन दिन तक विश्राम करने की सलाह दी है । अतः आज 08 मई शुक्रवार से 10 मई सोमवार तक विद्यालय से अवकाश देने की कृपा करें । डॉक्टर का प्रमाण पत्र संलग्न है ।
कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

सधन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य/शिष्या
छात्र/छात्रा का नाम
कक्षा : छटवी (वर्ग)

## अनुच्छेद-लेखन

अनुच्छेद-लेखक भी एक कला है। किसी विषय पर सीमित शब्दों में अपने विचार लिखना ही अनुच्छेद लेखन है। निबंध तथा अनुच्छेद में अंतर होता है। निबंध में किसी विषय के सभी बिंदुओं की विस्तार से चर्चा की जाती है, लेकिन अनुच्छेद में उन बिंदुओं का निचोड़ एक ही अनुच्छेद में प्रकट किया जाता है। इस प्रकार अनुच्छेद को निबंध का लघुतम रूप कहा जा सकता है। अनुच्छेद लेखन के संबंध में कुछ ध्यान देने योग्य बातें-

**1.अनुच्छेद की भाषा सरल होनी चाहिए।**
**2.इनके वाक्य छोटे-छोटे होने चाहिए।**
**3.इसमें अनावश्यक विस्तार नहीं करना चाहिए।**
**4.विषय से संबंधित सभी प्रमुख बिंदुओं को अनुच्छेद में समाहित करने का प्रयास करना चाहिए।**
**5.यदि शब्द सीमा दी गई हो तो उसका पालन करना चाहिए।**

### नीचे अनुच्छेद का एक उदाहरण दिया जा रहा हैं।

### स्वास्थ्य ही धन है

स्वास्थ्य हमारे लिए सबसे बड़ा धन है। यदि किसी के पास धन हो तो वह जीवन के कुछ सुखों से वंचित रह सकता है; लेकिन स्वास्थ्य न हो तो उसे किसी प्रकार का सुख नहीं मिल सकता। स्वास्थ्य अच्छा न होने पर मन हर समय परेशान रहता है। अच्छे से अच्छा खाना भी अप्रिय लगता है। व्यक्ति सैर-सपाटे का आनंद नहीं उठा सकता। बीमार व्यक्ति को अच्छी बातें भी बुरी लगती हैं। अतः अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए संतुलित भोजन, गहरी नींद, समय पर शयन एवं जागरण इत्यादि का ध्यान रखना चाहिए।

अच्छे स्वास्थ्य के इच्छुक व्यक्ति को नियमित व्यायाम करना चाहिए। उसे चिंता से दूर रहना चाहिए तथा हर समय प्रसन्न रहना चाहिए। चित्त की प्रसन्नता सौ तरह की व्याधियों से बचाती है और संयमित जीवन व्यक्ति को स्वस्थ्य बनाने में अहम योगदान देता है। इसलिए सच ही कहा गया है कि स्वास्थ्य कीमती है, इसकी हर प्रकार से रक्षा करने का उपाय करना चाहिए।

SEA-1 स्वच्छ भारत हेतु एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिये

HOLIDAY HOMEWORK

1. सभी पाठ (1, 2, 3, 4, 5 ) का कार्य कॉपी में पूर्ण करें तथा उसे याद भी करें ।
2. दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए पत्र तथा अनुच्छेद का कार्य कॉपी में पूर्ण करें ।
3. निम्नलिखित विषयों पर अनुच्छेद लेखन कॉपी में कीजिये ।
   > वृक्षारोपण
   > मेरे जीवन का लक्ष्य
   > अनुशासन
   > प्यारा, न्यारा मेरा देश

.